आईआईएम सिरमौर के समारोह में मेधावी विद्यार्थी।

निराशा को जीवन में न होने दें हावी

आईआईएम नाहन में वक्ताओं ने विद्यार्थियों को दिए टिप्स

अमर उजाला ब्यूरो

नाहन (सिरमौर)।

आईआईएम नाहन के कार्यक्रम में मेधावी विद्यार्थी।

भारतीय प्रबंधन संस्थान सिरमौर ने अपना पहला टेडेक्स समारोह आयोजित किया। मैं फिर से उठूंगा थीम पर आधारित इस समारोह के दौरान अपनी-अपनी फील्ड में माहिर वक्ताओं ने संस्थान के छात्रों से अपने जीवन के अनुभव सांझा किए।

वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि जीवन में हर इंसान को मनचाही सफलता नहीं मिलती तो वह निराशात्मक जीवन जीता है लेकिन निराशा ही सफलता के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा है। निराशा जैसे विचारों को कभी भी अपने जीवन में हावी नहीं होने देना चाहिए। हारे हुए इंसान ही सफलता पाते हैं लेकिन वह अपने जीवन की विकट परिस्थितियों से जूझते हुए भी सबके लिए एक मिसाल व प्रेरणास्रोत बनते हैं। इस मौके पर इवेन कार्गो कंपनी के संस्थापक एवं निदेशक योगेश कुमार, ज़ूबिलेंट फूड वर्कस की एचआर प्रमुख कमलिका डेका, जीव विज्ञान बायोलॉजिस्ट विवेक सरकार, ब्लॉगर एवं विटिलिगो अवेयरनेस एक्टिविस्ट कार्तिकी भटनागर व वेस्ट वेरियर विवेक प्रताप सिंह ने अपने जीवन के अनुभवों को छात्रों से साझा किया।

इन वक्ताओं ने अपने विषयों के साथ-साथ सफलता पाने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में विवरण दिया। इससे पूर्व आईआईएम की पहली महिला निदेशक प्रोफेसर डॉ. नीलू रोहमित्रा ने वक्ताओं का संस्थान में पधारने पर स्वागत किया। इस मौके पर आईआईएम का पूरा स्टाफ उपस्थित रहा।

इस अवसर पर संस्थान के प्रोफेसरों ने भी अपने विचारों से छात्रों को प्रभावित किया और देश के भाग्य विधाता बनने का छात्रों से संकल्प लिया। आईआईएम सिरमौर के पीजीडीएम के दूसरे बैच के छात्र अभिषेक सिंह और सौम्यदीप दास के नेतृत्व में टेडेक्स आईआईएम सिरमौर का आयोजन किया गया था। इसमें छात्रों ने भी बढ़कर अपनी रुचि व प्रतिभा दिखाई।